विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत दिनांक 15-04-2021

वर्ग पंचम शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

प्रार्थना का दूसरा श्लोक।

नमामि ईश्वरम् प्रात: नमामि जनकम् तथा ।

नमामि जननीम् पूज्यां नमामि शिक्षकान् तथा ।

शब्दार्थ

नमामि -प्रणाम करता हूँ

ईश्वरं -ईश्वर को

प्रातः -सुबह

जनकं- पिता को

जननीं -माता को

पूज्याम् – पूज्या

शिक्षकान् -शिक्षक को

अर्थात

अहम् प्रात: ईश्वरं नमामि।जनकं नमामि।पूज्यां जननीं नमामि।अहम् मम शिक्षकान् नमामि।

मैं सवेरे ईश्वर को प्रणाम करता हूँ । और अपने पिताजी को प्रणाम करता हूँ । मैं अपनी पूज्या माता जी को प्रणाम करता हूँ । तथा अपने अध्यापकों को भी प्रणाम करता हूँ।